Toppersnotes®
Unleash the topper in you

UGC - NET

NATIONAL TESTING AGENCY

पेपर - 1

भाग – 1

शिक्षण और शोध अभिवृत्ति, पठित गद्यांश एवं संचार

SIERRA
INNOVATIONS

UCG – NET

क्र.स.	अध्याय	पृष्ट संख्या
	Unit – 1 शिक्षण अभिवृत्ति	
1.	शिक्षण	1
2.	शिक्षार्थियों की विशेषताएं	11
3.	शिक्षण को प्रभावित करने वाले कारक	15
4.	उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षण के तरीके	20
5.	शिक्षण सहायता प्रणाली (शिक्षण सहायक)	24
6.	मूल्यांकन प्रणाली	29
7.	अभ्यास प्रश्न	35
	Unit – 2 शोध अभिवृत्ति	
1.	परिचय	45
2.	अनुसंधान के तरीके	52
3.	अनुसंधान के चरण	56
4.	अनुसंधान नैतिकता	61
5.	थीसिस लेखन	64
6.	अनुसंधान में आईसीटी का अनुप्रयोगरू	70
7.	अभ्यास प्रश्न	86
	Unit – 3 बोध	
1.	बोध	95
2.	अध्ययन बोध	107
	Unit – 4 सम्प्रेषण	
1.	परिचय	122
2.	प्रभावी संचार	129
3.	प्रभावी संचार के लिए बाधाएं	135
4.	मास मीडिया और समाज	140
5.	अभ्यास प्रश्न	143

प्रिय विद्यार्थी, टॉपर्सनोट्स चुनने के लिए धन्यवाद।

नोट्स में दिए गए QR कोड्स को स्कैन करने लिए टॉपर्स नोट्स ऐप डाउनलोड करे ।

ऐप डाउनलोड करने के लिए दिशा निर्देश देखे :-

ऐप इनस्टॉल करने के लिए आप अपने मोबाइल फ़ोन के कैमरा से या गूगल लेंस से QR स्कैन करें।

टॉपर्सनोट्स
एग्जाम प्रिपरेशन ऐप

»

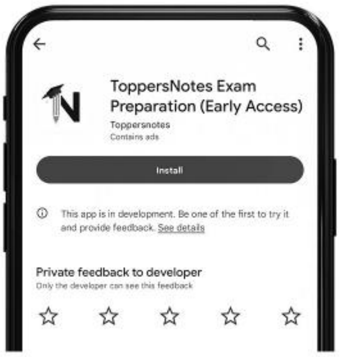

ToppersNotes Exam Preparation (Early Access)
Toppersnotes
Contains ads
Install
This app is in development. Be one of the first to try it and provide feedback. See details
Private feedback to developer
Only the developer can see this feedback
☆ ☆ ☆ ☆ ☆

टॉपर्सनोट्स ऐप डाउनलोड करें गूगल प्ले स्टोर से।

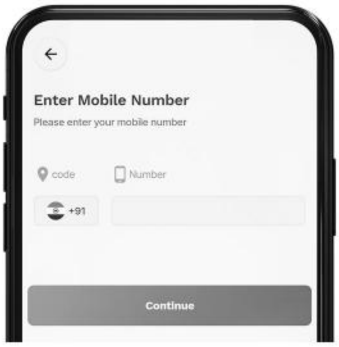

Enter Mobile Number
Please enter your mobile number
code
Number
+91
Continue

लॉग इन करने के लिए अपना **मोबाइल नंबर** दर्ज करें।

»

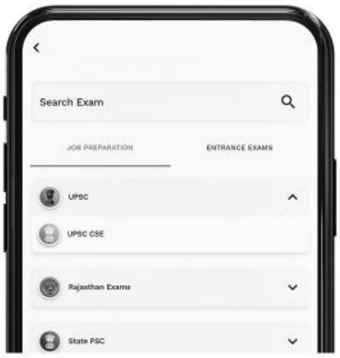

Search Exam
JOB PREPARATION
ENTRANCE EXAMS
UPSC
UPSC CSE
Rajasthan Exams
State PSC

अपनी **परीक्षा श्रेणी** चुनें।

»

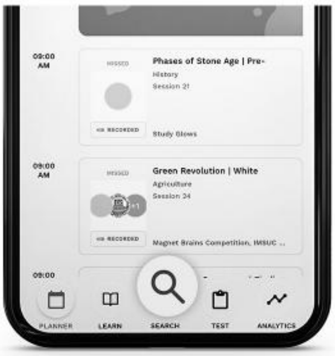

09:00 AM
MISSED
Phases of Stone Age | Pre-
History
Session 21
RECORDED
Study Glows
09:00 AM
MISSED
Green Revolution | White
Agriculture
Session 24
RECORDED
Magnet Brains Competition, IMSUC ...
09:00
PLANNER LEARN SEARCH TEST ANALYTICS

सर्च बटन पर क्लिक करें।

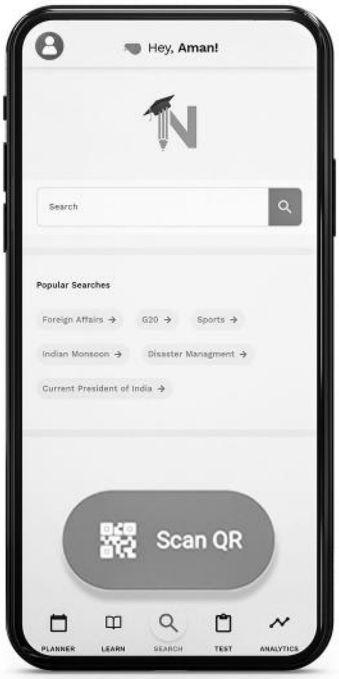

Hey, Aman!
Search
Popular Searches
Foreign Affairs →
G20 →
Sports →
Indian Monsoon →
Disaster Managment →
Current President of India →
Scan QR
PLANNER LEARN SEARCH TEST ANALYTICS

SCAN QR पर क्लिक करें।

»

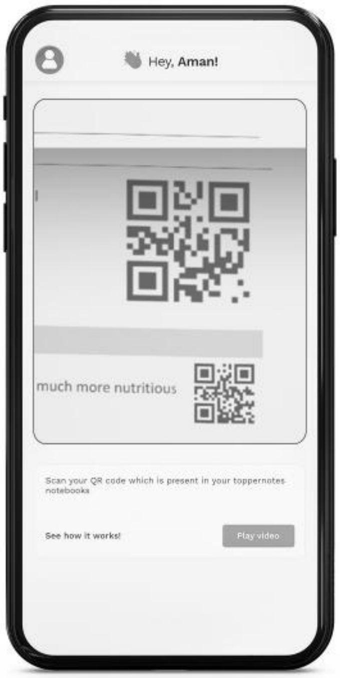

Hey, Aman!
much more nutritious
Scan your QR code which is present in your toppernotes notebooks
See how it works!
Play video

किताब के **QR कोड को स्कैन** करें।

- सोल्युशन वीडियो
- डाउट वीडियो
- कॉन्सेप्ट वीडियो

- अतिरिक्त पाठ्य-सामग्री

- विषयवार अभ्यास
- कमजोर टॉपिक विश्लेषण

- रैंक प्रेडिक्टर
- टेस्ट प्रैक्टिस

किसी भी तकनीकी सहायता के लिए **hello@toppersnotes.com** पर मेल करें या ✆ **766 56 41 122** पर whatsapp करें।

अध्याय विश्लेषण

इकाई - 1

शिक्षण

Chapter	1	2	3	4	5	6
Questions	2	1	1-2	1	1	1-2

- परीक्षा के दृष्टिकोण से वेटेज: न्यूनतम 5 MCQs से अधिकतम 9-11 MCQs।
- इस इकाई से कथन-आधारित और अभिकथन-तर्क आधारित प्रश्न पूछे जा रहे हैं।
- यह NTA UGC NET परीक्षा के लिए सबसे महत्वपूर्ण यूनिट में से एक है।
- छात्रों को इस पुस्तक में शामिल महत्वपूर्ण अवधारणाओं को पढ़ने के बाद सभी PYQ का अभ्यास करना चाहिए।

मुख्य बिंदु

- प्रसिद्ध शोधकर्ताओं द्वारा दिए गए कथन
- शिक्षण के उद्देश्य
- शिक्षण अधिगम का वातावरण
- ब्लूम का वर्गीकरण
- व्यक्तिगत भिन्नता
- किशोर और वयस्क अधिगमकर्ताओं की विशेषताएँ
- संज्ञानात्मक क्षेत्र
- विभिन्न शिक्षण योजनाएँ
- स्वयं, स्वयं प्रभा और मूक मंच
- मूल्यांकन प्रणाली के प्रकार
- विकल्प-आधारित प्रत्यय प्रणाली

1
UNIT

शिक्षण अभिवृत्ति

अध्याय 1
शिक्षण

जब एक व्यक्ति दूसरे को जानकारी या कौशल प्रदान करता है, तो उस क्रिया को शिक्षण के रूप में वर्णित करना आम बात है। प्रदान करने का मतलब अनुभवों को साझा करना या सूचनाओं को संप्रेषित करना हो सकता है, उदाहरण के लिए, व्याख्यान। शिक्षण को कला और विज्ञान दोनों के रूप में माना जाता है। एक कला के रूप में, यह छात्रों को सीखने में सक्षम बनाने के लिए कक्षा में एक सार्थक स्थिति बनाने में शिक्षक की कल्पनाशील और कलात्मक क्षमताओं पर जोर देती है। एक विज्ञान के रूप में, यह लक्ष्यों की प्रभावी उपलब्धि प्राप्त करने के लिए तार्किक, यांत्रिक या प्रक्रियात्मक कदमों पर प्रकाश डालता है। विभिन्न शिक्षाविदों की अवधारणा के संबंध में अलग-अलग विचार हैं
शिक्षण। "शिक्षण एक अधिक परिपक्व व्यक्तित्व और एक कम परिपक्व व्यक्ति के बीच अंतरंग संपर्क है जो बाद की शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है"। मॉरिसन (1934) और डेवी (1934) ने एक समीकरण द्वारा शिक्षण की इस अवधारणा को व्यक्त किया। "शिक्षण सीखना है क्योंकि बेचना खरीदना है"।

मॉरिसन के अनुसार

"शिक्षण एक अनुशासित सामाजिक प्रक्रिया है जिसमें शिक्षक कम अनुभवी के व्यवहार को प्रभावित करता है
छात्र और उसे समाज की जरूरतों और विचारों के अनुसार विकसित करने में मदद करता है "।

स्मिथ के अनुसार- "शिक्षण विशिष्ट क्रियाकलापों की एक संगठित प्रणाली है जिसका उद्देश्य शिक्षार्थी को सीखने में सहायता करना है
कुछ"।

शिक्षण में 3 प्रक्रियाएं शामिल हैं

1. सीखने का उत्पादन करने वाला एजेंट या स्रोत
2. लक्ष्य या प्राप्त किया जाने वाला लक्ष्य
3. हस्तक्षेप करने वाले चर

गेज (1963) के अनुसार

"शिक्षण एक प्रकार का पारस्परिक प्रभाव है जिसका उद्देश्य किसी अन्य व्यक्ति की व्यवहार क्षमता को बदलना है"।

प्रकार

1. **निरंकुश पद्धति - (शिक्षक केंद्रित)**
   - शिक्षक सब कुछ तय करता है
   - अधिक परिपक्व और कम/कोई परिपक्व नहीं के बीच कोई प्रतिक्रिया नहीं।
2. **लोकतांत्रिक शिक्षण - सर्वोत्तम विधि**
   - परिभाषा- विद्यार्थी केन्द्रित
   - फीडबैक हमेशा किया जाता है
3. **लाईसेज़ - फेयर टीचिंग - अपने हाथों को हटाओ**
   - शिक्षक को छात्रों से कोई सरोकार नहीं है।
   - शिक्षक उम्मीद कर रहा है कि छात्र सब कुछ अपने आप करते हैं।
   - यह विधि विषय केन्द्रित है।

बेसिक टीचिंग मॉडल (2019)

शिक्षाशास्त्र मॉडल

शिक्षाशास्त्र बच्चों की सीखने की यात्रा से संबंधित है और इसमें बच्चों को सीखने में मदद करने के लिए सर्वोत्तम अभ्यास शामिल हैं
अनायास।
शिक्षाशास्त्र को शिक्षण के विज्ञान के रूप में जाना जाता है और यह छात्रों की सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। यह है छात्रों के पिछले ज्ञान के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया। इसमें शिक्षक की अहम भूमिका होती है
पाठ्यक्रम में आगे बढ़ना और समस्याओं को हल करना। यह छात्रों को अवधारणाओं को सीखने के लिए प्रोत्साहित करता है और
उन्हें उनकी किताबों के अलावा वास्तविक जीवन की स्थितियों में भी लागू करें।
शिक्षाशास्त्र शैक्षिक संदर्भ में ज्ञान और कौशल प्रदान करने का एक तरीका है। यह बहुत खेलता है
बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा में अहम भूमिका शिक्षकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि छात्र अंदर हैं
बेहतर सीखने के परिणामों के लिए एक अच्छा सीखने का माहौल।

एंड्रैगॉजी मॉडल

Andragogy वयस्कों के लिए एक सीखने का सिद्धांत है जो स्वयं सीखते हैं। इसका अर्थ है कि विद्यार्थी स्वयं है संचालित और अधिक मार्गदर्शन की आवश्यकता नहीं है। वे विभिन्न संसाधनों का उपयोग करते हैं जो उन्हें प्राप्त करने में मदद करते हैं सीखने में प्रमुख चुनौतियों और मुद्दों के माध्यम से। इस प्रारूप में छात्रों का सीखने का अनुभव एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और उन्हें विषय में सुधार करने में मदद करता है।
यह नहीं कहा जा सकता कि इसमें शिक्षक की कोई भूमिका नहीं होगी लेकिन मार्गदर्शन उनके अनुभवों और प्रगति पर चर्चा करने और समस्या समाधान को समझने तक ही सीमित रहेगा।

- **Andragogy के चार मुख्य पहलू-**
  1. शिक्षार्थियों को उनकी योजना और मूल्यांकन में शामिल होना चाहिए।
  2. शिक्षार्थियों को प्रेरित करने के लिए विषय वास्तविक जीवन पर आधारित होने चाहिए।
  3. सीखने का अनुभव होना चाहिए।
  4. छात्रों की सीखने की प्रक्रिया समस्या-केंद्रित होनी चाहिए।

शिक्षण के लक्षण (2012, 2017, 2019, 2021)

शिक्षण की विशेषताएं इस प्रकार हैं -

1. शिक्षण शिक्षक और छात्रों के बीच एक प्रभावी अंतःक्रिया है।
2. शिक्षण कला और विज्ञान दोनों है। शिक्षण एक कला है क्योंकि यह प्रतिभा और रचनात्मकता के अभ्यास की मांग करता है। विज्ञान के रूप में शिक्षण में तकनीकों, प्रक्रियाओं और कौशलों का एक भंडार शामिल होता है, जिसका व्यवस्थित रूप से अध्ययन, वर्णन और सुधार किया जा सकता है। एक अच्छा शिक्षक वह है जो बुनियादी प्रदर्शनों की सूची में रचनात्मकता और प्रेरणा जोड़ता है।
3. शिक्षण के विभिन्न रूप हैं, जैसे औपचारिक और अनौपचारिक बारिश, कंडीशनिंग या सिद्धांत आदि।
4. संचार के कौशल में शिक्षण का प्रभुत्व है।
5. शिक्षण एक त्रिगुणित प्रक्रिया है; तीन ध्रुव हैं, शैक्षिक उद्देश्य, सीखने के अनुभव और व्यवहार में परिवर्तन।
6. शिक्षण सुनियोजित होना चाहिए और शिक्षक को शिक्षण और मूल्यांकन तकनीकों के उद्देश्य तरीके तय करने चाहिए।
7. शिक्षण सुझाव दे रहा है न कि हुक्म चलाना।
8. अच्छा शिक्षण लोकतांत्रिक है और शिक्षक छात्रों का सम्मान करता है, उन्हें प्रश्न पूछने, प्रश्नों के उत्तर देने और चीजों पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करता है।
9. शिक्षण छात्रों को मार्गदर्शन, दिशा और प्रोत्साहन प्रदान करता है।

10. शिक्षण एक सहकारी गतिविधि है और शिक्षक को छात्रों को विभिन्न कक्षा गतिविधियों में शामिल करना चाहिए, जैसे संगठन, प्रबंधन, चर्चा, सस्वर पाठ और परिणामों का मूल्यांकन।
11. शिक्षण दयालु और सहानुभूतिपूर्ण है, और एक अच्छा शिक्षक बच्चों में भावनात्मक स्थिरता विकसित करता है।
12. शिक्षण उपचारात्मक है, और शिक्षक को छात्रों की सीखने की समस्याओं को हल करना चाहिए।
13. शिक्षण बच्चों को जीवन में समायोजन करने में मदद करता है।
14. शिक्षण एक व्यावसायिक गतिविधि है जो बच्चों के सामंजस्यपूर्ण विकास में मदद करती है।
15. शिक्षण छात्रों की सोचने की शक्ति को उत्तेजित करता है और उन्हें स्व-शिक्षण की ओर निर्देशित करता है।
16. शिक्षण का अवलोकन, विश्लेषण और मूल्यांकन किया जा सकता है।
17. शिक्षण एक विशेष कार्य है और निर्देशात्मक उद्देश्यों के एक निर्दिष्ट सेट की प्राप्ति के लिए घटक कौशल के एक सेट के रूप में लिया जा सकता है।

शिक्षण शैली

1. औपचारिक प्राधिकरण
2. प्रदर्शक
3. सुविधा
4. डैलिगेटर

1. औपचारिक प्राधिकरण
- निरंकुश यानी [शिक्षक केंद्रित]
- केवल सामग्री पर ध्यान दें
- शिक्षक एक छात्र को प्राप्त करता है।

2. व्यक्तिगत मॉडल शिक्षण का प्रदर्शन
- शिक्षक केन्द्रित
- डेमो और मॉडलिंग पर ध्यान दें

पूर्व। प्रयोगशाला प्रयोग
- शिक्षक प्रदर्शन करते हैं और छात्र उनसे सीखते हैं। छात्रों को केवल देखने की अनुमति है

3. सुविधा
- जो कार्य को पूरा करने में सहयोग/मदद करते हैं
- गतिविधि पर ध्यान दें
- छात्र केंद्रित, पूर्व प्रयोगशाला में छात्र प्रयोग खुद भी सुस्त
- छात्रों के सहयोग, सक्रिय सीखने और समस्या समाधान के लिए सामूहिक गतिविधियां करना।
- गतिविधि रोल-प्ले, गेम आदि के माध्यम से सीख रही है।

4. डैलिगेटर
- छात्रों (एकल / समूह) पर सीखने का नियंत्रण या जिम्मेदारी है
- पूर्व। - केवल छात्रों द्वारा बनाए गए स्कूल प्रोजेक्ट। शिक्षक केवल विषय देते हैं।
- उच्च शिक्षा में उपयोग किया जाता है
- शिक्षक सलाहकार की भूमिका के रूप में कार्य करता है, छात्रों को केवल समस्या समाधान में मदद करता है।

शिक्षण के विभिन्न स्तर (2014, 2015, 2018 -2022)

शिक्षक को अवधारणाओं और विषय की तीव्रता के आधार पर शिक्षण के स्तर का चयन करना होता है मामला। एक शिक्षक स्थिति के आधार पर कक्षा में विभिन्न भूमिकाएँ लेता है। आइए हम के स्तरों का पता लगाएं शिक्षण।

हम सभी जानते हैं कि शिक्षण एक उद्देश्यपूर्ण गतिविधि है। शिक्षण के माध्यम से एक शिक्षक वांछनीय परिवर्तन लाता है शिक्षार्थियों में। शिक्षण और सीखने की दोनों अवधारणाएँ एक दूसरे से परस्पर जुड़ी हुई हैं।

शिक्षार्थी के सर्वांगीण व्यक्तित्व का विकास शिक्षण और सीखने का अंतिम लक्ष्य है। दौरान शिक्षण, एक अनुभवी व्यक्ति (शिक्षक) और एक अनुभवहीन व्यक्ति के बीच एक बातचीत होती है (विद्यार्थी)। यहाँ मुख्य उद्देश्य विद्यार्थी के व्यवहार में परिवर्तन लाना है।

शिक्षक तीन स्तरों पर छात्रों को पढ़ाते हैं। उन्हें शिक्षार्थियों के विकासात्मक चरण को ध्यान में रखना होगा ताकि वांछित शैक्षिक उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सके।

ये तीन स्तर इस प्रकार हैं -

1. **स्मृति स्तर-** विचारहीन शिक्षण
2. **समझ का स्तर -** विचारशील शिक्षण
3. **चिंतनशील स्तर -** ऊपरी विचारशील स्तर

1. **शिक्षण का स्मृति स्तर (एमएलटी)**
   - शिक्षण के स्मृति स्तर का उद्देश्य सिर्फ शिक्षार्थी को सूचना या ज्ञान प्रदान करना है। यह ज्ञान या जानकारी प्रकृति में तथ्यात्मक है, जो एक यांत्रिक प्रक्रिया (अर्थात् याद रखना या रटना सीखना) के माध्यम से प्राप्त की जाती है।
   - शिक्षण का स्मृति स्तर केवल ब्लूम के वर्गीकरण के ज्ञान आधारित उद्देश्य को कवर करता है जहां छात्र वस्तुओं, घटनाओं, विचारों और अवधारणाओं को पहचानना, याद रखना या याद रखना सीखते हैं और उन्हें स्मृति में बनाए रखते हैं।
   - स्मृति स्तर के शिक्षण में अंतर्दृष्टि का अभाव होता है। मनोवैज्ञानिक रूप से, यह संज्ञानात्मक स्तर का शिक्षण है।

   (A) मेमोरी स्तर हरबर्ट द्वारा
     - शिक्षण का प्रारंभिक चरण (आधार) (निम्नतम स्तर)
     - रोट लर्निंग एक्स नर्सरी क्लास में बच्चों को ए, बी, सी, डी, रट्टा मारवाटे है ।
     - स्टिमुलस - रिस्पांस किया जाता है
     - मूल्यांकन मौखिक और लिखित होता है।
     - यह बुद्धि में सुधार नहीं करता है और छात्रों की क्षमता में वृद्धि नहीं करता है लेकिन अन्य प्रकार के शिक्षण स्तरों के लिए आवश्यक है।

   (B) शिक्षण के स्मृति स्तर के महत्वपूर्ण बिंदु (MLT)
     - यह सराहना के हर्बर्ट थ्योरी द्वारा समर्थित है, जिसमें कहा गया है कि शिक्षण का यह स्तर शिक्षार्थी को तथ्यों और प्रतीकों के बीच के संबंध से परिचित कराने का प्रयास करता है।
     - तथ्यात्मक जानकारी प्राप्त करना शिक्षण का पहला चरण है। निचली कक्षाओं के बच्चों के लिए उपयोगी है क्योंकि उनकी बुद्धि का विकास हो रहा होता है और उनकी स्मरण शक्ति अच्छी होती है।
     - एमएलटी का उद्देश्य तथ्यात्मक जानकारी प्राप्त करना, स्मृति को प्रशिक्षित करना, स्मृति भंडारण में सीखने की सामग्री को फिर से प्रशिक्षित करना, आवश्यकता पड़ने पर सीखी गई जानकारी को पुन: पेश करना और पहचानना है।
     - शिक्षक-प्रधान तरीकों का उपयोग किया जाता है- जैसे ड्रिल, समीक्षा और पुनरीक्षण और प्रश्न पूछना।
       - मूल्यांकन प्रणाली में मुख्य रूप से मौखिक, लिखित और निबंध-प्रकार की परीक्षाएँ शामिल हैं।
       - अच्छी याददाश्त में सीखने में तेजी, अवधारण की स्थिरता, याद करने में तेजी, और सचेत स्तर पर केवल वांछित सामग्री लाने की क्षमता शामिल है।
       - स्मृति स्तर शिक्षण शिक्षण के समझने और चिंतनशील स्तरों के लिए पहले चरण के रूप में कार्य करता है। यह समझने के स्तर के शिक्षण के लिए एक पूर्व-आवश्यकता है।

   (C) गुण / लाभ शिक्षण का स्मृति स्तर
     - छोटे बच्चों के लिए उपयोगी
     - तथ्यों, मॉडलों और संरचना की जानकारी के अधिग्रहण के लिए उपयोगी
     - बच्चों को एक नई अवधारणा सीखने में मदद करें
     - धीमी गति से सीखने वालों के लिए उपयोगी

   (D) शिक्षण के स्मृति स्तर के दोष/हानि
     - उच्च कक्षाओं के लिए उपयुक्त नहीं है
     - रट स्मृति का उपयोग
     - शिक्षक का दबदबा

  - कक्षा में थोड़ी बातचीत
  - छात्रों के लिए दीक्षा और स्व-शिक्षा के लिए कोई जगह नहीं है
  - आंतरिक प्रेरणा नहीं
  - कक्षा प्रबंधन की समस्या
  - याद और प्रतिधारण का नुकसान।

2. शिक्षण का स्तर समझना (यूएलटी)

- यह मेमोरी लेवल और रिफ्लेक्टिव लेवल के बीच में आता है। शिक्षण के इस चरण में मध्यम स्तर का विचारशील व्यवहार शामिल है। यह चिंतनशील स्तर के शिक्षण-अधिगम के लिए एक पूर्व-आवश्यकता है, जिसके लिए उच्च मानसिक प्रक्रियाओं के उपयोग की आवश्यकता होती है। शब्द "समझ" का शाब्दिक अर्थ है समझना, समझना, और ज्ञान प्राप्त करना, सीखना, व्याख्या करना और अनुमान लगाना, आदि।
- मॉरिसन ने बहुत स्पष्ट रूप से कहा कि समझ केवल कुछ याद करने में सक्षम होना नहीं है; यह केवल विशिष्ट तथ्यों से निकाला गया सामान्यीकरण नहीं है; यह एक अंतर्दृष्टि है कि भविष्य की स्थितियों में इसका उपयोग कैसे किया जा सकता है। मॉरिसन ने जोर देकर कहा कि सभी शिक्षण का परिणाम 'प्रभुत्व' है और तथ्यों को याद रखना नहीं है। उन्होंने एक इकाई योजना प्रस्तावित की, प्रत्येक इकाई एक अंतर्दृष्टि का प्रतिनिधित्व करती है जो अपने आप में अपेक्षाकृत पूर्ण है।
- **अंडरस्टैंडिंग लेवल टीचिंग (यूएलटी)**
- **बौद्धिक व्यवहार विकसित करें**
- **स्मृति + अंतर्दृष्टि**
- **विकास पद्धति = लिखित + उद्देश्य**
- कि आप जीवन भर अर्थ का अनुभव करते हैं ।
  पूर्व । एमएलटी में हम सब कुछ रटते हैं और कभी भी अर्थ निकालने की कोशिश नहीं करते हैं लेकिन यूएलटी में हम हर शब्द का अर्थ समझने की कोशिश करते हैं और उनका उपयोग करने की कोशिश करते हैं।
- तो यह किसी तरह एमएलटी पर आधारित है।
- विषय की महारत पर ध्यान दें (विषय केंद्रित)

(A) महत्वपूर्ण बिंदु

  - मॉरिसन शिक्षण के समझने के स्तर के मुख्य प्रस्तावक हैं।
  - यह 'मेमोरी प्लस इनसाइट' है क्योंकि यह केवल तथ्यों को याद करने से परे है।
  - यह विषय की महारत पर केंद्रित है।
  - यह विद्यार्थियों को सामान्यीकरण, सिद्धांतों और तथ्यों को समझने में मदद करता है।
  - यह छात्रों को 'बौद्धिक व्यवहार' विकसित करने के लिए अधिक से अधिक अवसर प्रदान करता है।
  - यह तथ्यों के आत्मसात करने के लिए छात्र और शिक्षक दोनों के लिए एक सक्रिय भूमिका प्रदान करता है।
  - मूल्यांकन प्रणाली में मुख्य रूप से निबंध और वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न दोनों शामिल होते हैं।

(B) शिक्षण के स्तर को कम आंकने के गुण/लाभ (यूएलटी)

  - प्रभावी सीख
  - विभिन्न अनुभूति क्षमताओं का विकास
  - शिक्षण के चिंतनशील स्तर में प्रवेश करने के लिए चरण निर्धारित करता है
  - प्रभावी कक्षा सहभागिता

(C) निचले स्तर के दोष या नुकसान (यूएलटी)

  - उच्च संज्ञानात्मक क्षमताओं की उपेक्षा करता है
  - आंतरिक प्रेरणा पर कम जोर
  - कोई व्यक्तिगत शिक्षा नहीं
  - शिक्षक केन्द्रित

3. शिक्षण का चिंतनशील स्तर (आरएलटी) (2016)

- शिक्षण का यह स्तर शिक्षण # सीखने की गतिविधि का उच्चतम स्तर है। यह सीखने का चरण है जब छात्र न केवल दोहराते हैं और दोहराते हैं या पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते हैं; न ही वे अवधारणाओं को समझते हैं, सीखते हैं, परस्पर संबंधित या व्याख्या करते हैं बल्कि वे प्रस्तुत सामग्री पर विचार करते हैं, विचार करते हैं और गंभीरता से विचार करते हैं।

(A) शिक्षण के चिंतनशील स्तर के मुख्य उद्देश्य हैं

- समस्याओं को हल करने के लिए शिक्षार्थी में अंतर्दृष्टि विकसित करना।
- छात्रों में तर्कसंगत और आलोचनात्मक सोच विकसित करना। छात्रों में स्वतंत्र सोच और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना।

(B) महत्वपूर्ण बिंदु

- हंट चिंतनशील शिक्षण स्तर का मुख्य प्रस्तावक है।
- यह शिक्षण का उच्चतम स्तर है और इसमें TILT और MIT सेलेक्ट लैंग्वेज दोनों शामिल हैं
- यह शिक्षण का समस्या केन्द्रित उपागम है।
- यह शिक्षण का उच्चतम स्तर है और इसमें ULT और MLT दोनों शामिल हैं।
- यह शिक्षण का समस्या केन्द्रित उपागम है।
- छात्रों को समस्या को हल करने के लिए किसी प्रकार के शोध दृष्टिकोण को अपनाने के लिए माना जाता है।
- कक्षा का वातावरण पर्याप्त रूप से 'खुला और स्वतंत्र' होना चाहिए। शिक्षार्थी स्व-प्रेरित (आंतरिक) और सक्रिय हैं।
- इसका उद्देश्य शिक्षार्थियों की चिंतन शक्ति का विकास करना है ताकि वे तर्क, तर्क और कल्पना द्वारा अपने जीवन की समस्याओं को हल कर सकें और सफल और सुखी जीवन व्यतीत कर सकें।
- शिष्य को प्राथमिक स्थान प्राप्त होता है और शिक्षक को द्वितीयक स्थान प्राप्त होता है।
- निबंध-प्रकार परीक्षण का उपयोग मूल्यांकन के लिए किया जाता है। दृष्टिकोण, विश्वास और भागीदारी का भी मूल्यांकन किया जाता है।

(C) शिक्षण के चिंतनशील स्तर (आरएलटी) के गुण या लाभ

- यह ऑपरेशन का सबसे विचारशील तरीका है।
- शिक्षार्थी केंद्रित दृष्टिकोण
- समस्या समाधान की क्षमता का विकास
- प्रतिभाशाली बच्चों के लिए उपयोगी।
- अधिकतम लचीलापन प्रदान करता है
- स्व प्रेरणा
- रचनात्मकता का विकास

(D) शिक्षण के चिंतनशील स्तर के दोष

- यह निम्न वर्ग के लिए उपयुक्त नहीं है
- यह एक समय लेने वाली प्रक्रिया है।
- यह सुस्त छात्रों के लिए लागू नहीं है।
- पढ़ाने का अतिरिक्त बोझ है

(E) चिंतनशील स्तर (RLT) - या आत्मनिरीक्षण स्तर

- समस्या केंद्रित - सिखाता है कि कोई कैसे हल कर सकता है - वास्तविक जीवन की समस्याएं।
- ULT + MLT (विद्यार्थी केंद्रित) पर आधारित
- *वातावरण* में खुला और स्वतंत्र ।
- मनोवृत्ति + विश्वास + भागीदारी का मूल्यांकन ज्यादातर निबंध प्रकार का उपयोग करके किया जाता है।
- **पूर्व।** एसएससी और अन्य परीक्षाओं में हमें निबंध लिखना होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि परीक्षक हमारी मानसिकता, सोच के स्तर को जानना चाहता है।
- उच्चतम स्तर- किसी चीज के बारे में गहराई से सोचना
- शिक्षक की भूमिका लोकतांत्रिक है।

प्रभावी शिक्षण अभ्यास

शिक्षण के सिद्धांत

एक कहावत एक बुनियादी नियम या मौलिक सिद्धांत है जो समय के साथ विकसित हुआ है। यह भविष्य की कार्रवाई या व्यवहार के लिए एक मार्गदर्शक है। अध्यापन के अपने सिद्धांत भी होते हैं, जिनकी चर्चा नीचे की गई है।

1. **सरल से जटिल की ओर** - शिक्षक को सरल चीजों और विचारों से शुरुआत करनी चाहिए और यदि संभव हो तो इसे दिन-प्रतिदिन के उदाहरणों के साथ किया जा सकता है। फिर धीरे-धीरे एक शिक्षक अवधारणाओं और तकनीकी शब्दों की ओर बढ़ सकता है। यह शिक्षार्थियों में नया ज्ञान प्राप्त करने के लिए रुचि पैदा करता है। यह बेहतर अवधारण में सहायक है।
2. **ज्ञात से अज्ञात की ओर** - यह प्रथम सूत्र से संबंधित है। यदि नए ज्ञान को ज्ञात के साथ जोड़ा जा सकता है तो प्रतिधारण हमेशा बेहतर होता है।
3. छात्रों को वर्तमान के बारे में ज्ञान प्रदान किया जाना चाहिए और फिर वे भूत और भविष्य को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं
4. **ठोस से अमूर्त कॉल** और छात्रों का मानसिक विकास ठोस वस्तुओं से बेहतर होता है, वे बाद में उनके लिए सूक्ष्म शब्दों से परिचित होते हैं और परिभाषित करते हैं।
5. **विशिष्ट से सामान्य की ओर** - विद्यार्थियों को पहले उदाहरण प्रस्तुत किए जाने चाहिए और फिर उन्हें सामान्य नियम और उनकी व्युत्पत्ति समझाई जा सकती है। प्रयोग और प्रदर्शन इस उद्देश्य की पूर्ति करते हैं।
6. **पूर्ण से अंश की ओर वास्तव में विद्यालय को परिवर्तित किया जा सकता है** - गेस्टाल्ट मनोवैज्ञानिकों ने सिद्ध किया है कि हम पहले संपूर्ण वस्तु को देखते हैं और फिर उसके भागों को। उदाहरण के लिए, हम पहले पेड़ को देखते हैं और फिर उसके तने, शाखाओं, पत्तियों आदि को देखते हैं। इस प्रकार विषयों का परिचय या अवलोकन महत्वपूर्ण है।
7. **अनिश्चित से निश्चित कुछ भी नहीं** - शिक्षक को अनिश्चित ज्ञान को निश्चित में बदलने में मदद करनी चाहिए और छात्रों की शंकाओं को दूर करने का लक्ष्य रखना चाहिए
8. **मनोवैज्ञानिक से तार्किक तक** - प्रारंभिक अवस्था में मनोवैज्ञानिक क्रम अधिक महत्वपूर्ण होता है, जबकि बड़े शिक्षार्थियों के लिए तार्किक क्रम पर अधिक बल दिया जाता है।
9. **विश्लेषण से संश्लेषण तक** शुरू में छात्रों को विषयों के बारे में बहुत कम या प्रचलित ज्ञान होता है, स्टॉप विश्लेषण का पालन करें अर्थात समस्याओं को उसके घटक भागों में विभाजित करें, और फिर इनका अध्ययन किया जाता है, बहुत अच्छा संश्लेषण होता है, भागों के पूर्ण विश्लेषण के माध्यम से प्राप्त ज्ञान को जोड़कर समझना एक शिक्षक एनालिटिक्स का उपयोग करना चाहिए बहुत अच्छा संश्लेषण का अर्थ है भागों का विश्लेषण करके प्राप्त ज्ञान को जोड़कर समझना। एक शिक्षक को विश्लेषणात्मक-सिंथेटिक विधि का उपयोग करना चाहिए
10. **प्रकृति का पालन करना** - इसका अर्थ है कि शिष्य की शिक्षा को उसकी प्रकृति के अनुसार नियमित करना
11. **इंद्रियों का प्रशिक्षण** - संवेदक के प्रकार, जैसे पक्ष, श्रवण कुमार परीक्षण कुमार गंध और स्पर्श ज्ञान के द्वार हैं। यह बेहतर है कि इन सभी सेंसरों का अधिकतम उपयोग शिक्षण में किया जा सके।
12. **स्वाध्याय को प्रोत्साहन - डाल्टन की पद्धति** स्वाध्याय पर आधारित है

ब्लूम की टी एक्सोनॉमी (2019, 20, 21, 22)

- ब्लूम की टैक्सोनॉमी एक वर्गीकरण है जो सोचने, सीखने और समझने सहित बुद्धि के विभिन्न स्तरों को परिभाषित करता है। संस्थान पाठ्यक्रम आकलन और शिक्षण विधियों में सुधार के लिए ब्लूम की वर्गीकरण का उपयोग करते हैं।
- मूल रूप से 1956 में शुरू की गई, ब्लूम की वर्गीकरण श्री बेंजामिन ब्लूम द्वारा श्री एडवर्ड फुर्स्ट, श्री मैक्स एंगलहार्ट, श्री डेविड क्रथवोहल और श्री वाल्टर हिल के साथ बनाई गई एक अवधारणा थी। अवधारणा या बल्कि शैक्षिक मॉडल ने शिक्षा के स्तरों के साथ-साथ उन कौशलों को वर्गीकृत किया है जिन्हें जब भी शिक्षक कुछ सिखाता है तो उन्हें प्रदान करने की आवश्यकता होती है।

ब्लूम की वर्गीकरण के तीन डोमेन

1. **याद रखने का डोमेन**
   ज्ञान और बौद्धिक कौशल के विकास पर प्रमुख ध्यान दिया जाता है। जटिलता के अनुसार, संज्ञानात्मक डोमेन के छह उप-शीर्ष हैं ।
   - **(i)** ज्ञान - तथ्यों, आंकड़ों और बुनियादी अवधारणाओं के बारे में ज्ञान प्राप्त करना।
   - **(ii)** समझ - ज्ञान चरण के दौरान एकत्रित तथ्यों को समझना।
   - **(iii)** अनुप्रयोग - ज्ञान और अवधारणाओं को सर्वोत्तम तरीके से लागू करना।
   - **(iv)** विश्लेषण - अनुप्रयोग का विश्लेषण करना, निष्कर्ष निकालना और अनुप्रयोग के विभिन्न पहलुओं के बीच संबंधों को समझना।
   - **(v)** मूल्यांकन - आवेदन से उत्पन्न जानकारी के बारे में निष्कर्ष निकालना और उसका बचाव करना।
   - **(vi)** सृजन - वास्तविक अनुप्रयोग की योजना, डिजाइन, विकास करके नए परिणाम बनाना।

2. **प्रभावी डोमेन 2005**
   ब्लूम के वर्गीकरण का यह डोमेन मार्ग से जुड़ी भावनाओं और भावनाओं से संबंधित है। इसमें जटिल विचार और विवेक, घटनाएं और चरित्र शामिल हैं। इस प्रकार यह दृष्टिकोण, प्रेरणा, भाग लेने की इच्छा, जो सीखा जा रहा है उसका मूल्यांकन और अंतत: अनुशासन के मूल्यों को जीवन के तरीके में शामिल करने से संबंधित है। यह बेहतर छात्र भागीदारी के लिए कहता है। भावात्मक डोमेन के मुख्य पहलू इस प्रकार हैं-
   - **ग्रहण-** सुनने की इच्छा।
   - **उत्तर-** भाग लेने की इच्छा।
   - **मूल्य** - भाग लेने की इच्छा शामिल होने की इच्छा।
   - **संगठन** - शामिल होने की इच्छा किसी विचार के हिमायती होने की इच्छा।
   - **विशेषता -** अपने व्यवहार या जीवन के तरीके को बदलने की इच्छा।

3. **साइकोमोटर डोमेन**
   ब्लूम के वर्गीकरण का साइकोमोटर डोमेन एक छात्र के शरीर के समन्वय, संवेदी अंग आंदोलन और शारीरिक आंदोलन से संबंधित है। मूल रूप से यह तकनीकी कौशल के अधिग्रहण से संबंधित है। इन कौशलों में अच्छा होने के लिए एक महान अभ्यास की आवश्यकता होती है। ड्राइविंग, कीबोर्ड बजाना, गिटार बजाना, साइकोमोटर डोमेन के प्रमुख उदाहरण हैं।

डोमेन के पांच स्तर

1. **नकल** - इसमें एक कुशल व्यक्ति द्वारा कौशल का प्रदर्शन शामिल है और शिक्षार्थी उसी का पालन करने का प्रयास करते हैं।
2. **जोड़तोड़** - एक शिक्षार्थी विभिन्न पहलुओं का प्रयोग करने की कोशिश करता है, जैसे मशीनरी, उपकरण आदि में हेरफेर करना।
3. **सूक्ष्मता** - अभ्यास के साथ विभिन्न कार्यों को करने में शुद्धता बढ़ती है।
4. **आर्टिक्यूलेशन** - अभ्यास के माध्यम से वांछित स्तर की दक्षता और प्रभावशीलता प्राप्त करना।
5. **प्राकृतिककरण** - कौशल आंतरिक है और एक व्यक्ति स्थिति की आवश्यकताओं के अनुसार नई तकनीकों, विधियों या प्रक्रियाओं को अनुकूलित, संशोधित या डिजाइन करने में सक्षम है।

ब्लूम की वर्गीकरण के अनुप्रयोग

- शब्दों, वाक्यांशों, मुहावरों का अर्थ खोजना जो पैराग्राफ में आवेदन और समझ का उपयोग करके उपयोग किए जाते हैं।
- मूल्यांकन और विश्लेषण का उपयोग करके गद्यांश और उसके बिंदुओं को समाप्त करना।
- समझ और स्मरण का उपयोग करके विवरण प्राप्त करना और उन्हें याद रखना।
- मूल्यांकन की अवधारणा का उपयोग करके लेखक के स्वर को समझना।
- मूल्यांकन और समझ की अवधारणा का उपयोग करते हुए गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दें।

गैग्ने की नाइन इवेंट्स ऑफ इंस्ट्रक्शन

- रॉबर्ट गैग्ने एक शैक्षिक मनोवैज्ञानिक थे जिन्होंने नौ चरणों वाली एक प्रक्रिया बनाई जिसे इवेंट्स ऑफ इंस्ट्रक्शन कहा जाता है। गैग्ने के निर्देश मॉडल के नौ कार्यक्रम प्रशिक्षकों, शिक्षकों और निर्देशात्मक डिजाइनरों की मदद करते हैं
- उनके प्रशिक्षण सत्रों की संरचना करें। मॉडल एक व्यवस्थित प्रक्रिया है जो उन्हें रणनीति विकसित करने और निर्देशात्मक कक्षाओं के लिए गतिविधियाँ बनाने में मदद करती है।
- नौ घटनाएं एक प्रभावी सीखने की प्रक्रिया के लिए एक रूपरेखा प्रदान करती हैं। प्रत्येक चरण संचार के एक रूप को संबोधित करता है जो सीखने की प्रक्रिया का समर्थन करता है।

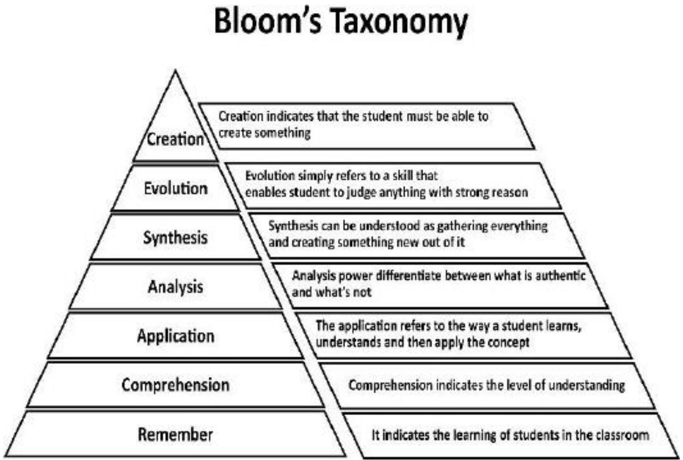
Bloom's Taxonomy
Creation
Creation indicates that the student must be able to create something
Evolution
Evolution simply refers to a skill that enables student to judge anything with strong reason
Synthesis
Synthesis can be understood as gathering everything and creating something new out of it
Analysis
Analysis power differentiate between what is authentic and what's not
Application
The application refers to the way a student learns, understands and then apply the concept
Comprehension
Comprehension indicates the level of understanding
Remember
It indicates the learning of students in the classroom

गैग्ने की नाइन इवेंट्स ऑफ इंस्ट्रक्शन

- पारी बचाओ ध्यान
- शिक्षार्थियों को उद्देश्य की जानकारी देना
- पूर्व शिक्षण का उत्तेजक स्मरण
- प्रोत्साहन प्रस्तुत करना
- शिक्षण मार्गदर्शन प्रदान करना
- आकर्षक प्रदर्शन
- फ़ीडबैक प्रदान करना
- प्रदर्शन का आकलन
- अवधारण और स्थानांतरण को बढ़ाना

1. **ध्यान आकर्षित करना (रिसेप्शन)**
   शिक्षार्थियों का ध्यान आकर्षित करके सीखने के सत्र की शुरुआत करें। सुनिश्चित करें कि शिक्षार्थियों को उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रोत्साहन प्रस्तुत करके सीखने और गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाता है। यह शिक्षार्थियों को एक परिचयात्मक गतिविधि के साथ प्रस्तुत करके पूरा किया जा सकता है जो शिक्षार्थी को संलग्न करता है।
2. **उद्देश्य (प्रत्याशा) के बारे में शिक्षार्थियों को सूचित करना**
   उनका ध्यान आकर्षित करने के बाद, शिक्षार्थियों को सीखने के उद्देश्यों के बारे में सूचित करें ताकि उन्हें समझने में मदद मिल सके

   सत्र के दौरान वे क्या सीखेंगे। बताएं कि सत्र के दौरान शिक्षार्थी क्या हासिल कर पाएंगे और भविष्य में वे ज्ञान का उपयोग कैसे कर पाएंगे। यह शिक्षार्थियों को अपने विचारों को व्यवस्थित करने की अनुमति देता है कि वे क्या सीखेंगे और उन्हें उचित दिमागी सेट में रखने में मदद मिलेगी।
3. **पूर्व शिक्षण का उत्तेजक स्मरण (पुनर्प्राप्ति)**
   शिक्षार्थियों को नई जानकारी को किसी ऐसी चीज़ से जोड़कर समझने में मदद करें जिसे वे पहले से जानते हैं या कुछ ऐसा जो वे पहले ही अनुभव कर चुके हैं। इसे पूरा करने के लिए शिक्षार्थी को एक अनुभव या संकेत दें जो उनके पूर्व ज्ञान को उत्तेजित करता है। वे जो सीख रहे हैं, और उनके पिछले सीखने के बीच संबंध बनाएं। जब लोग कुछ नया सीखते हैं, तो नई जानकारी को संबंधित जानकारी या उनके द्वारा अतीत में सीखे गए विषयों के साथ सहसंबंधित करना सबसे अच्छा होता है।
4. **प्रोत्साहन की प्रस्तुति (चयनात्मक धारणा)**
   प्रभावी और कुशल निर्देश प्रदान करने के लिए सीखने की रणनीतियों का उपयोग करके शिक्षार्थी को नई जानकारी के साथ प्रस्तुत करें। सामग्री को सार्थक तरीके से व्यवस्थित और खंडित करें। प्रदर्शनों के बाद स्पष्टीकरण प्रदान करें।

5. **शिक्षण मार्गदर्शन प्रदान करना (सिमेंटिक एन्कोडिंग)**
कौशल सीखने के तरीके पर कोचिंग प्रदान करके शिक्षार्थी का मार्गदर्शन करें। सीखने की सामग्री और उनके लिए उपलब्ध संसाधनों में उनकी सहायता करने के लिए उदाहरण दें और रणनीतियों की सलाह दें। साथ ही, जो कुछ वे सीख रहे हैं उसे समझने और याद रखने में मदद करने के लिए संकेतों, संकेतों और/या संकेतों का उपयोग करके मार्गदर्शन प्रदान करें।
6. **इलिटिंग परफॉर्मेंस (प्रतिक्रिया)**
सीखने वाले को नए अधिग्रहीत व्यवहार, कौशल या ज्ञान के साथ कुछ करने दें। सीखने की प्रक्रिया को सक्रिय करने के लिए उन्हें अभ्यास गतिविधियां प्रदान करें। यह गतिविधि शिक्षार्थी को नई जानकारी (कौशल और ज्ञान) को आत्मसात करने और ज्ञान/अवधारणाओं की सही समझ और अनुप्रयोग सुनिश्चित करने की अनुमति देती है।
7. **प्रतिक्रिया प्रदान करना (सुदृढीकरण)**
शिक्षार्थी द्वारा अपने ज्ञान का प्रदर्शन करने के प्रयास के बाद, शिक्षार्थी की तत्काल प्रतिक्रिया प्रदान करें
सीखने का आकलन और सुविधा प्रदान करने के लिए प्रदर्शन। किसी भी महत्वपूर्ण बिंदु को सुदृढ़ करने के लिए भी यह एक अच्छा समय है।
8. **प्रदर्शन का आकलन (पुनर्प्राप्ति)**
निर्देशात्मक घटनाओं की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए, यह निर्धारित करने के लिए शिक्षार्थी का परीक्षण करें कि अपेक्षित सीखने के परिणाम प्राप्त हुए हैं या नहीं। प्रदर्शन पर आधारित होना चाहिए
पूर्व घोषित उद्देश्य।
9. **प्रतिधारण और स्थानांतरण को बढ़ाना (सामान्यीकरण)**
शिक्षार्थी को संसाधन दें जो ज्ञान के प्रतिधारण और हस्तांतरण को बढ़ाते हैं ताकि वे नए ज्ञान को आत्मसात करने और अपनी विशेषज्ञता को बढ़ाने में सक्षम हों। प्रभावी के साथ बार-बार अभ्यास
फीडबैक यह सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा तरीका है कि लोग जानकारी बनाए रखें और इसका प्रभावी ढंग से उपयोग करें।

अध्याय - 2

शिक्षार्थियों की विशेषताएं (2012, 16, 17, 18, 19)

- सीखना दृढ़ता से बौद्धिक स्तर, संज्ञानात्मक क्षमता, धारणा, व्यक्तित्व और शिक्षार्थी के दृष्टिकोण पर आधारित है।
- शिक्षार्थी सामाजिक क्षेत्र, सांस्कृतिक आदतों और परिवर्तन को अपनाने के लिए व्यक्ति की इच्छा से प्रभावित होने के लिए बाध्य हैं।
- **संज्ञानात्मक, शैक्षणिक, भावनात्मक और सामाजिक** आधार पर जानकारी एकत्र करके पहचाना जा सकता है

विशेषताएं (शिक्षार्थियों के 4 प्रमुख)

1. याददाश्त, मानसिक दबाव, समस्या समाधान आदि से संबंधित।
2. भावनात्मक - मिजाज, आत्म-चेतना आदि को शामिल करें।
3. व्यक्तिगत आयु, लिंग, भाषा, परिपक्वता आदि।

एलसी की श्रेणियाँ

- सामाजिक और व्यक्तिगत गुणवत्ता।
- विकास और विकास।
- सीखने की इच्छा।
- शिक्षार्थी की रुचि और दृष्टिकोण।
- बदलने के लिए आसानी से समायोजन।
- आंतरिक प्रेरणा।
- सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।

किशोर शिक्षार्थी के लक्षण (2019, 2020)

अकादमिक • सीखने और जो पढ़ाया जा रहा है, उसमें प्रासंगिकता की मांग करें। • ठोस से अमूर्त सोच की ओर बढ़ना। • चुनौती और व्यस्त होने पर उच्च उपलब्धि। • निष्क्रिय सीखने के अनुभवों पर सक्रिय पसंद करते हैं। • सीखने की गतिविधियों के दौरान साथियों के साथ बातचीत करने में रुचि। **भावनात्मक** • मूड स्विंग्स जो अप्रत्याशित हैं। • हाई एनर्जी और इस से ये बैड एक्टिविटी में भी शामिल हो जाते हैं है । • गतिविधि के अचानक विस्फोट के साथ ऊर्जा जारी करने की आवश्यकता। जैसे खेल खेलना इसे ही कुदना है एते जिस से इनकी ऊर्जा स्वतंत्र बनने की इच्छा का उपयोग करती है और आपको वयस्क पहचान और स्वीकृति की तलाश करती है ।	**सामाजिक** • बड़े छात्रों, माता-पिता अन्य वयस्कों आदि के बाद मॉडलिंग व्यवहार। **जैसे** हम अपने आसपास के लोगों के व्यवहार को कॉपी करने की कोशिश करते हैं। • इस उम्र में, हम एक सामाजिक स्थिति (छवि) बनाने के द्वारा • किशोर शिक्षार्थी कुछ बड़े या मानसिकता वाले लोगों के साथ समूह बनाना पसंद करते हैं। • किशोर हमेशा एमएसई से भयभीत महसूस करते हैं और हमेशा सोचते हैं कि आगे क्या होगा। • गैड्स को जोड़ना और लोकप्रिय संस्कृति में दिलचस्पी लेना। **जैसे** हॉलीवुड का बॉलीवुड इस उम्र में हम पर अटैक करता है।

Toppersnotes Unleash the topper in you

भावनात्मक 2017, 2018, 2019,	**संज्ञानात्मक**
• चेतना बेचो और व्यक्तिगत आलोचना के प्रति संवेदनशील हो। • शारीरिक विकास और परिपक्वता के बारे में चिंता। • विश्वास है कि उनकी व्यक्तिगत समस्याएं, भावनाएं और अनुभव स्वयं के लिए अद्वितीय हैं। • शर्मिंदगी और अस्वीकृति का उपहास करना। • गहन जिज्ञासा और लंबी अवधि के लिए बौद्धिक खोज की एक विस्तृत श्रृंखला। (संज्ञानात्मक) • हमें किशोर शिक्षार्थियों को नियंत्रित और निर्देशित करना है और यह परिवार और शिक्षकों द्वारा किया जाता है।	• नैतिक मुद्दों की जटिलता की समझ उदाहरण के लिए एक बहुत प्रसिद्ध नैतिक मुद्दा यह है कि हम कहते हैं "यदि एक बिल्ली आपके रास्ते से गुजरती है, तो आपको थोड़ी देर रुकना चाहिए"। प्रत्येक किशोर शिक्षार्थी ऐसी बातों पर ध्यान केंद्रित करता है और सवाल करना शुरू कर देता है। • लोकतंत्र में रुचि है। • समाज, परिवार आदि में परिवर्तन की गति से अधीर। ये चीजों को तेजी से बदलना चाहते हैं और उनके अनुसार इन सभी परिवर्तनों को स्वीकार करना बहुत आसान है। • आत्म-चिंतनशील होने की क्षमता का अर्थ है कि वे सब कुछ लागू करते हैं।

वयस्क शिक्षार्थियों की शैक्षणिक विशेषताएं (2018, 2020)

अकादमिक	**सामाजिक**
• वे जो सीख रहे हैं उसके बड़े चित्र दृश्य की आवश्यकता है। उन्हें यह जानने की जरूरत है कि छोटे हिस्से बड़े परिदृश्य में कैसे फिट होते हैं। ○ वयस्क शिक्षार्थी जानते हैं कि अगर हम आज से ही तैयारी करना शुरू कर दें तो बड़ी चीजें कैसे प्राप्त की जा सकती हैं। • परिणामोन्मुखी हैं। सीखने से उन्हें क्या मिलेगा, इसके लिए उनकी विशिष्ट अपेक्षाएँ हैं और यदि वे उस लक्ष्य को जानते हैं तो निश्चित रूप से वे हार मान लेंगे।	• एक सीखने वाले समुदाय को प्राथमिकता दें जिसके साथ वे बातचीत कर सकें और प्रश्नों और मुद्दों पर चर्चा कर सकें। • कई शिक्षार्थियों के पारिवारिक मुद्दे और जिम्मेदारियां हैं, यह उनके सीखने को प्रभावित करता है। • सम्मान के साथ व्यवहार करना चाहते हैं। • वयस्क शिक्षार्थियों को नियंत्रित करने और निर्देशित करने की कोई आवश्यकता नहीं है।
अकादमिक	**भावनात्मक**
• नहीं होगा तो वो आसानी से हार मान लेंगे देंगे । • व्याख्यान सुनने के बजाय अभ्यास को प्राथमिकता दें। **संज्ञानात्मक** • असफलता में अपनी सफलता की जिम्मेदारी खुद लें। • आरआरई स्वयं प्रेरित और कमाने के लिए तैयार और बौद्धिक रूप से अधिक स्थिर हैं। • स्वायत्त और स्व निर्देशित हैं । • नए ज्ञान और कौशल को तुरंत लागू करना चाहते हैं।	• आत्म दिशा की भावना को प्राथमिकता दें । • वे अपने सीखने के माहौल में विकल्प और विकल्प पसंद करते हैं। • साइकोमोटर कौशल अधिक धीरे-धीरे प्राप्त कर सकते हैं और अधिक हो सकते हैं - छोटे फ़ॉन्ट और छवियों को पढ़ने में कठिनाइयाँ। • वयस्क किसी विषय पर वर्ष लगा सकते हैं, चिंता महसूस कर सकते हैं या नौकरी की जिम्मेदारी में जबरन बदलाव के बारे में गुस्सा महसूस कर सकते हैं। • वे कार्यस्थल कौशल में दक्षता हासिल करना पसंद करते हैं क्योंकि इससे आत्मविश्वास और आत्मसम्मान बढ़ता है। • बदलने के लिए समायोजन - आसान नहीं।

Toppersnotes Unleash the topper in you

व्यक्तिगत मतभेद

- विकास की दर सभी व्यक्तियों के लिए समान नहीं होती है।
- सीखना सबसे प्रभावी होता है जब शिक्षार्थी की भाषा, संस्कृति, सामाजिक व्यवहार में अंतर को ए/सी में लिया जाता है।
- आईडी व्यक्तियों के बीच वृद्धि और विकास की बुनाई दर है।
- **व्यक्तियों में अंतर के प्रमुख कारक**
  - [आनुवंशिकता और पर्यावरण] इन दो कारकों की मदद से, हमारे लिए व्यक्तिगत अंतरों को खोजना आसान हो जाता है।
- **आनुवंशिकता के प्रकार**
  - शारीरिक स्थिति - प्रतिक्रिया समय क्रिया की गति आदि के बारे में बताती है।

योग्यता और विशेष प्रतिभा

संगीत, अभिनय, विज्ञान आदि में प्रतिभा।

- लिंग, जैसे पुरुष आक्रामक होते हैं, आदि। महिलाएं निष्क्रिय, संवेदनशील आदि होती हैं।
- आयु
- स्वभाव

  उदा . 1 ए हर स्थिति में भावनात्मक है और बी नहीं है इसलिए यह सीखने की गति और अन्य कारकों में अंतर पैदा कर सकता है।

  उदाहरण 2 स्थिरता + परिपक्वता + नकारात्मक और सकारात्मक मानसिकता यानी नकारात्मक सोच वाला व्यक्ति सामना नहीं कर पाएगा लेकिन सोच वाला व्यक्ति तेजी से सीखता है। कहीं न कहीं यह वंशानुक्रम से जुड़ा है।

अंतर्मुखता	**बहिर्मुखता**
उदा. शांत व्यक्तित्व	**उदा. कर्कश, बातूनी व्यक्ति।**

- अंतर्मुखी शांति से काम करना पसंद करते हैं, शांत और लोगों के कम संपर्क के साथ।
- बहिर्मुखता बातचीत का आनंद लेती है और हमेशा टीम वर्क की तरह एक समूह का नेतृत्व करना चाहती है।
  1. पुरुषार्थ करने की क्षमता - यह दो व्यक्तियों में भिन्न हो सकती है।
     जैसे व्यक्ति A ड्राइविंग सीखने का प्रयास करता है लेकिन व्यक्ति B नहीं। इसलिए वहां के परिणाम अलग होंगे।
  2. क्रिमिनल टेंडेंसी - अगर किसी का क्रिमिनल बैकग्राउंड है तो आपको यकीन है कि ए का दिमाग हमेशा अलग रास्ते पर काम करता है।
     इसलिए A का सीखना धीमा होगा।

पर्यावरण प्रकार

1. पारिवारिक पृष्ठभूमि।
2. सामुदायिक पृष्ठभूमि।
3. स्कूल पृष्ठभूमि।
   - *शिक्षक को व्यक्तिगत विभिन्नताओं के प्रति संवेदनशील होना चाहिए।*
   - *छात्रों से एकरूपता की उम्मीद करना गलत है।*
   - *सभी के पास समान स्तर की क्षमताएं नहीं होती हैं।*

(सीटीएम)

- *किसी विशेष विधि या निर्देश से सभी छात्र लाभान्वित नहीं हो सकते हैं* इसलिए एक शिक्षक को अपने शिक्षण के तरीकों में बदलाव पर ध्यान देना चाहिए ताकि किसी छात्र को नुकसान न हो।
- एक शिक्षक को प्रत्येक बच्चे के विकास को अधिकतम करने के लिए काम करना चाहिए।

शिक्षार्थी की विशेषताएं (2018)

शिक्षार्थी की विशेषताएं हो सकती हैं

- मनोवैज्ञानिक व्यक्तिगत - आयु, लिंग, भाषा, स्थिति, पृष्ठभूमि आदि कौशल, विकलांगता आदि जैसी जनसांख्यिकीय जानकारी से संबंधित।
- शैक्षणिक - शिक्षा से संबंधित जैसे सीखने के लक्ष्य, पूर्व ज्ञान, शिक्षा का प्रकार और स्तर आदि।
- एक समूह में व्यक्ति से संबंधित सामाजिक/भावनात्मक, उदाहरण के लिए एक समूह में व्यक्ति का स्थान, सामाजिक क्षमता, स्वयं की छवि , मनोदशा आदि।
- संज्ञानात्मक - स्मृति, मानसिक अभियोगात्मक और बौद्धिक कौशल के रूप में चीजों से संबंधित है जो यह निर्धारित करता है कि एक शिक्षार्थी मस्तिष्क में समस्याओं को कैसे सोचता है, याद रखता है और हल करता है।
- मानव व्यवहार पर आधारित।
- विचार, भावना, विचार, ज्ञान से संबंधित।
- तत्परता, व्यायाम, प्रभाव की आदत।
- क्रोध और ईर्ष्या का अभाव
- धीमी शुरुआत, क्रमिक विकास।

अध्याय 3

शिक्षण को प्रभावित करने वाले कारक

शिक्षक से संबंधित शिक्षण को प्रभावित करने वाले कारक

(2012, 17,19 20,22)

यदि शिक्षार्थी चालू शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के एक छोर पर एक ध्रुव के रूप में खड़ा होता है तो शिक्षक कक्षा में वांछित शिक्षण अधिगम गतिविधियों में से एक के लिए दूसरे ध्रुव के रूप में कार्य करता है। इसलिए, शिक्षक से संबंधित कारक शिक्षण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में शिक्षक से संबंधित शिक्षण को प्रभावित करने वाले कारक निम्नलिखित हैं-

विषय ज्ञान - एक कहावत है कि एक शिक्षक उतना ही अच्छा होता है जितना वह जानता है। अगर किसी शिक्षक की कमी है किसी विषय में ज्ञान, समझ की कमी छात्रों के साथ पारित हो जाती है। एक शिक्षक जो अपने विषयों को अच्छी तरह से जानता है, वह केवल शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया की यात्रा का नेतृत्व करने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

1. **शिक्षार्थियों का ज्ञान** - यह एक व्यापक श्रेणी है जिसमें शिक्षार्थियों के संज्ञानात्मक, सामाजिक और भावनात्मक विकास का ज्ञान शामिल है। इसमें इस बात की समझ शामिल है कि एक दिए गए विकासात्मक स्तर पर छात्र कैसे सीखते हैं; किसी विशिष्ट विषय क्षेत्र में सीखने की प्रक्रिया आम तौर पर कैसे आगे बढ़ती है जैसे सीखने की प्रगति या प्रक्षेपवक्र; जागरूकता कि शिक्षार्थियों की व्यक्तिगत ज़रूरतें और क्षमताएँ हैं; और एक समझ है कि प्रत्येक शिक्षार्थी की जरूरतों को पूरा करने के लिए निर्देश तैयार किया जाना चाहिए।
2. **शिक्षण कौशल** - एक शिक्षक अपने विषय को अच्छी तरह से जान सकता है लेकिन विषय के सीखने से संबंधित विभिन्न अनुभवों को साझा करने, संचार करने और बातचीत करने के लिए उसे विशिष्ट शिक्षण कौशल की आवश्यकता होती है। इस संबंध में एक शिक्षक की प्रवीणता और कमी शिक्षक सीखने की प्रक्रिया को एक बड़ी सफलता या असफलता के लिए काफी जिम्मेदार हैं।
3. **मित्रता और पहुँच क्षमता** - चूँकि छात्रों को सीखने में मदद करना शिक्षक का काम है, इसलिए उनके पास पहुँचना आसान होना चाहिए। छात्रों के पास ऐसे प्रश्न होंगे जिनका उत्तर नहीं दिया जा सकता है यदि शिक्षक मित्रवत और बात करने में आसान नहीं है। अगम्य, नीच, अहंकारी, असभ्य, गुरु अधिक समय तक नहीं टिक सकता। यदि छात्र अपने शिक्षक को अपना दुश्मन समझते हैं, तो निश्चित रूप से वे ज्यादा कुछ नहीं सीखेंगे। सबसे अच्छे शिक्षक सबसे खुले, स्वागत करने वाले और आसानी से संपर्क करने वाले होते हैं। एक अच्छे शिक्षक के पास सुनने का अच्छा कौशल होता है और वह अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालकर अपने छात्रों की सभी प्रकार की समस्याओं को हल करता है।
4. **व्यक्तित्व और व्यवहार** - एक नेता के रूप में एक शिक्षक को अपने व्यक्तित्व लक्षणों और व्यवहार के आधार पर छात्रों के दिमाग पर छोड़े गए चुंबकीय प्रभाव और अविश्वसनीय छाप के माध्यम से शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में अपने छात्रों का नेतृत्व करना होता है। वह अपने छात्रों के लिए एक आदर्श हैं। उनके कार्यों, व्यवहार पैटर्न और व्यक्तित्व लक्षणों का अनुकरण करने और व्यवहार में लाने के लिए उनके छात्रों के लिए बहुत मायने रखता है।
5. **समायोजन और मानसिक स्वास्थ्य का स्तर** - एक शिक्षक अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में कितना समायोजित महसूस करता है और शिक्षक द्वारा बनाए गए मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति और स्तर उसके शिक्षक के व्यवहार और शिक्षक की प्रभावशीलता को प्रभावित करने में बहुत अधिक महत्व रखता है जो प्रभावी नियंत्रण और प्रबंधन के लिए आवश्यक है। शिक्षण, सीखने की प्रक्रिया। जहाँ एक शिक्षक खराब मानसिक स्वास्थ्य और अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में समायोजन की कमी के कारण शिक्षण-अधिगम उद्देश्य की प्राप्ति में पूरी तरह से विफल साबित हो सकता है, वहीं एक अच्छा मानसिक स्वास्थ्य और समायोजन रखने वाला शिक्षक उसके लिए एक आदर्श छवि साबित हो सकता है। छात्रों और शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया की प्रभावशीलता के लिए वरदान।
   - **अनुशासन** - एक कक्षा में, एक शिक्षक नियमितता बनाए रखने के लिए अनुशासन का उपयोग करता है, स्कूल के नियमों को लागू किया जाता है, और छात्र सुरक्षित सीखने के माहौल में हैं। एक महान शिक्षक के पास प्रभावी अनुशासन कौशल होता है और वह कक्षा में सकारात्मक व्यवहार और परिवर्तन को बढ़ावा दे सकता है। अनुशासन के बिना , सीखने को पूरा नहीं किया जा सकता है।